# रोबोट हड़प लेंगे 6.40 लाख नौकरियां

नई दिल्ली (हि.) : भारत में भविष्य में 42 प्रतिशत नौकरियों के स्वचालित होने का खतरा है। सबसे ज्यादा असर आई.टी. क्षेत्र पर पडऩे की आशंका है। एक ताजा शोध के अनुसार अगले 5 वर्ष में आई.टी. क्षेत्र में रोबोट क्रांति के कारण 6.40 लाख नौकरियां जा सकती हैं। यह कुल नौकरियों का 28 प्रतिशत हिस्सा है। सबसे ज्यादा गाज कम क्षमता वाले कर्मियों पर गिरेगी।

अमरीका की विश्लेषक कंपनी एच.एफ.एस. ने यह अध्ययन किया है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आर्टीफिशियल इंटैंलीजैंस के कारण उच्च दक्षता वाले विश्लेषकों और बौद्धिक लोगों की मांग बढ़ेगी। आई.टी. और अन्य उद्योगों में वर्ष 2021 तक मध्यम व उच्च कार्यकुशलता वाले लोगों की मांग 14 प्रतिशत बढ़ेगी। इससे करीब 1.60 लाख नौकरियां पैदा होंगी।

अध्ययन के अनुसार दुनिया की आऊटसोर्सिंग राजधानी माने जाने वाले भारत में इस क्षेत्र में आधी नौकरियों पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। कई कार्यों के स्वचालित हो जाने के कारण भारत के आऊटसोर्सिंग उद्योगों में कम दक्षता वाली नौकरियां 2015 में 22.8 लाख के मुकाबले 2021 में 16.4 लाख रह जाएंगी।

दुनिया में
फाक्सकॉन
60,000 कामगारों की जगह रोबोट लगाए हैं चीन की मोबाइल निर्माता कम्पनी ने।

वालमार्ट
21 लाख कर्मचारियों वाली इस कंपनी ने अपने गोदामों में सामान की निगरानी करने वाले कर्मियों की जगह ड्रोन का इस्तेमाल शुरू किया।
अमरीकी रक्षा विभाग दुनिया का सबसे बड़ा नियोक्ता। मानव रहित विमानों और ड्रोन का दुनिया का सबसे बड़ा दस्ता।

देश में
विप्रो
30 प्रतिशत कर्मियों की छंटनी कर सकती है तीसरी सबसे बड़ी भारतीय आई.टी. सेवा प्रदाता कम्पनी 3 वर्ष में।

इंफोसिस
2020 विजन के तहत कंपनी का स्वचालन आर्टीफिशियल इंटैलीजैंस पर जोर।

रेस्तरां

जापान के कई रेस्तरां में सब्जियां काटने, सूप बनाने जैसे काम रोबोट कर रहे हैं। कई रेस्तरां में रिसैप्शनिस्ट और वेटर का काम भी लिया जा रहा है।

अपराध से जंग

सुरक्षा एजैंसियां इमारतों में छिपे अपराधियों को ढूंढने में ड्रोन और छोटे रोबोट का इस्तेमाल करने लगी हैं। रिमोट कंट्रोल वाले रोबोट संदिग्ध कारों की जांच में भी इस्तेमाल हो रहे हैं।

शिक्षा

अमरीका के सेन डियागो में रोबोट को शिक्षक के सहायक के रूप में नौकरी पर रखा गया है। इसके अलावा बच्चों को सिखाने के लिए कई रोबोटिक खिलौने बाजार में उपलब्ध हैं।

सफाई

जापान में फर्श की सफाई के लिए रोबोट का काफी समय सेइस्तेमाल हो रहा है। भारत में भी कई माल्स और अस्पतालों में सफाई के लिए रोबोटिक क्लीनर इस्तेमाल होते हैं।

इलाज

भारत समेत कई देशों में आप्रेशनों के दौरान रोबोट का इस्तेमाल बढ़ रहा है।